सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

RNI No: UPHIN/2023/86769

www.swarajindianews.com

swarajindia2023@gmail.c swarajindi- swarajindi-

मूल्य: ` 02

सांध्यकालीन समाचार पत्र

स्वराज इंडिया

कानपुर,शुक्रवार , 12 सितंबर 2025
वर्ष: 02, अंक: 240, पृष्ठ: 8+4

श्रीरामलला के दरबार मॉरीशस के प्रधानमंत्री रामगुलाम

» Pg10

इनसाइड महिला राज्य मंत्रियों की नाराज़गी के बाद दो थानेदार हटाए गए ’ » Pg 11

गाजीपुर: भाजपा कार्यकर्ता की हत्या से गरमाई यूपी की सियासत

» स्थानीय पुलिस पर पीट पीट कर हत्या के आरोप,

» कार्यकर्ताओं का आक्रोश, पूरे प्रदेश में सियासत गरमाई

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

गाजीपुर। बलिया से सटे गाजीपुर जिले के नोनहरा थाना परिसर में मंगलवार की रात धरनारत लोगों पर कथित पुलिसिया बर्बरता का शिकार हुए भाजपा कार्यकर्ता सियाराम उपाध्याय (35) की बृहस्पतिवार तड़के मौत हो गई। घटना ने न केवल स्थानीय पुलिस की भूमिका पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं बल्कि पूरे प्रदेश की राजनीति में तूफ़ान ला दिया है।

पुलिस की पिटाई से युवक का शरीर नीला पड़ गया

एक आंख तक फोड़ दी

नौ सितंबर को ग्राम प्रधान और पूर्व प्रधान के बीच बिजली के खंभे लगाने को लेकर विवाद हुआ था। मामला थाने तक पहुंचा और एक पक्ष के 20-25 लोग धरने पर बैठ गए। परिजनों और ग्रामीणों का आरोप है

कि पुलिस ने लाठीचार्ज कर सबको हटाया, जिसमें सियाराम गंभीर रूप से घायल हुआ और आखिरकार दम तोड़ दिया।

पुलिस की सफाई और कई सवाल

पुलिस अधीक्षक ईरज राजा ने दावा किया कि लाठीचार्ज नहीं हुआ, लेकिन सियाराम की मौत और ग्रामीणों के आरोप पुलिस की कार्यशैली पर सीधा निशाना साध रहे हैं। दबाव में आकर थाना प्रभारी समेत छह पुलिसकर्मी निलंबित और छह अन्य को लाइन हाजिर जरूर कर दिए गए, मगर सवाल यह है कि क्या इतनी कार्रवाई पर्याप्त है?

भाजपा कार्यकर्ता की मौत के बाद पार्टी के स्थानीय कार्यकर्ता गुस्से में हैं।

कई जगहों पर पुलिस के खिलाफ नारेबाज़ी हुई। पार्टी कार्यकर्ताओं ने साफ कहा है कि यह पुलिस की दबंगई का नतीजा है और जब तक दोषियों पर सख्त कार्रवाई नहीं होती, आंदोलन तेज किया जाएगा।

घटना ने पूरे प्रदेश में राजनीतिक सरगर्मी बढ़ा दी है और विपक्ष ने भी इसे मुद्दा बनाना शुरू कर दिया है।

कानपुर की मिर्जा लेदर कंपनी में इनकम टैक्स की रेड

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। मशहूर लेदर इंडस्ट्री मिर्जा इंटरनेशनल पर आईटी का शिकंजा कस गया है. मिर्जा इंटरनेशनल के दर्जनों ठिकानों पर ताबड़तोड़ छापेमारी हुई है. कानपुर के जाजमऊ, मालरोड, वीआईपी रोड स्थित कोठी और उन्नाव की टेनरियों पर ये छापेमारी हुई है. इस दौरान श्रमिकों को अंदर रोक दिया गया और मोबाइल फोन ले लिए गए.

छापेमारी के दौरान लैपटॉप, कंप्यूटर का डाटा खंगाला गया. इसके साथ ही आय-व्यय का ब्योरा, कच्चा और तैयार माल का स्टॉक जांचा गया. सूत्रों के मुताबिक, बोगस परचेज और फर्जी बिलिंग का

» मिर्जा इंटरनेशनल के दर्जनों ठिकानों पर ताबड़तोड़ छापेमारी से हड़कंप

» जा रहा है कि श्रमिकों को अंदर रोक दिया गया और मोबाइल फोन ले लिए गए जीने को

खुलासा हुआ है. कंपनी के स्ढ्ढ फराज मिर्जा, सूजा मिर्जा समेत अन्य डायरेक्टरों से पूछताछ की जा रही है.

उन्नाव में भी हुई छापेमारी

अब अगर उन्नाव की बात करें तो जिले के दही और अकरमपुर औद्योगिक क्षेत्र स्थित लेदर यूनिट्स में 24 घंटे से ढ्ढञ्ज के रेड चल रही है. जानकारी के मुताबिक, गुरुवार सुबह 8 बजे ही कई गाड़ियों से आईटी की टीम आई थी. जिसके बाद छापेमार कार्रवाई शुरू हो गई. इस वजह से दूसरे दिन फैक्ट्री में काम करने वाले मजदूरों को छुट्टी दे दी गई. उन्हें गेट से ही वापस भेज दिया गया. सूत्रों का कहना है कि इनकम टैक्स की चोरी के इनपुट पर फैक्ट्रीयों में छापेमार कार्रवाई हुई है. फैक्ट्री प्रबंधन से जुड़े लोगों के मोबाइल ढ्ढञ्ज अफसरों ने जप्त कर लिया है. इनकम टैक्स चोरी के सबूत जुटाने की में आईटी की टीम जुटी हुई है.

सबसे बड़े निर्यातकों में शामिल

पूरे उत्तर प्रदेश में 150 अफसर और कर्मचारियों ने छापेमारी की. आपको बता दें कि मिर्जा इंटरनेशनल रेडटेप, थॉमस क्रिक जैसे बड़े ब्रांड बनाती है. यह कंपनी भारत के सबसे बड़े निर्यातकों में शामिल है. यह कंपनी 24 देशों में फुटवियर निर्यात करती है. रिपोर्ट्स की मानें तो टैक्स चोरी की आशंका में मिर्जा इंटरनेशनल समूह की उन्नाव स्थित टेनरियों, फैक्टरियों, कानपुर के अलावा नोएडा, गाजियाबाद, दिल्ली, उत्तराखंड और कोलकाता में कार्रवाई हुई है.

जाजमऊ में अवैध गैस रिफिलिंग रैकेट का भंडाफोड़

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कई घरेलू सिलेंडर बरामद, डीएसओ बोले-चलता रहेगा अभियान

कानपुर। अवैध रूप से गैस रिफिलिंग का काम करने वालों पर आपूर्ति विभाग ने अभियान चलाया है। पूर्ति निरीक्षक की टीम ने पुलिस बल के साथ जाजमऊ स्थित छबीलेपुरवा के एक मकान पर छापा मारा। यहां काफी संख्या में घरेलू सिलेंडर और छोट सिलेंडर मिले। साथ में गैस रिफिलिंग करने वाले उपकरण बरामद किया गए।

जिला आपूर्ति अधिकारी राकेश कुमार ने बताया कि गैर रिफिलिंग की शिकायत पर पूर्ति निरीक्षक की टीम ने छापेमार कार्रवाई की। यहां घरेलू सिलेण्डरों के अवैध भण्डारण एवं गैस रिफिलिंग किया जाना मिला है। संबंधित पर एफआईआर दर्ज कराई जाएगी। अवैध गैस रिफिलिंग को लेकर लगातार

राकेश कुमार, डीएसओ

अभियान चलेगा।भरी आबादी में घरेलू सिलेंडर से छोटे सिलेंडर भरे जाने का कारोबार पूरे शहर में चल रहा है। आपूर्ति विभाग की ओर से इस संबंध में लगातार कार्रवाई की जा रही। सूचना पर कृष्णा नगर पूर्ति निरीक्षक प्रदीप कुमार ने टीम और पुलिस बल के साथ जाजमऊ के छबीलेपुरवा स्थित एक मकान पर छापा मारा। यहां घरेलू सिलेण्डर से छोट सिलेण्डरों में गैस भरने का काम किया जाता मिला। बताया गया कि यह काम मोहम्मद शीबू करता है। जाँच टीम को मौके पर पांच घरेलू सिलेण्डर ;एचपी खाली तथा दो घरेलू सिलेण्डर ;एचपी भरे हुए गैस तौलने का तराजू तथा गैस भरने वाला पाइप मिली।

गैस रिफिलिंग का तरीका जानलेवा

घरेलू गैस सिलेंडर की काला बाजारी कर 2 से लेकर 5 किलो तक के छोटे-छोटे सिलेंडरों में गैस भरकर उसे बेचा जाता है। दुकानदार गैस को 80 से 95 रुपए प्रति किलो की दर से बेचते हैं। यह अवैध धंधा घनी आबादी वाले क्षेत्रों में अधिक चल रहा है। घरेलू सिलेंडरों से एक पाइपनुमा उपकरण की मदद से छोटे सिलेंडरों में गैस भरी जाती है। इससे कभी भी सिलेंडर के फटने या उसमें आग लगने का खतरा बना रहता है।

आगरा की नकली दवाओं की आंच पहुंची कानपुर

» औषधि विभाग की ताबडतोड छापेमार कार्रवाई

» जांच को लिए नमूने, दवाएं बिक्री पर रोक

» राहुल पाण्डेय, स्वराज इंडिया

कानपुर। आगरा के नकली दवाओं की आंच अब कानपुर में भी आ गई है। औषधि प्रशासन के दोनों ड्रग इंस्पैक्टर ने पुलिस बल के साथ बिरहाना रोड स्थित थोक दुकानों पर ताबडतोड छापेमार कार्रवाई की है। यहां आगरा की हे मां मेडिको और बंसल मेडिकल एजेंसी से जिन्होंने दवाएं खरीदी है, उनके सैंपल लिए गए हैं। अब यह सैंपल लखनऊ जांच को भेजा जाएगा। जांच रिपोर्ट आने तक करीब पांच लाख की दवाओं की बिक्री पर भी रोक लगा दी गई है।

ड्रग इंस्पेक्टर ओम पाल सिंह ने बताया कि करीब पांच दवाओं के सैंपल लिए गए हैं। इनको लैब जांच के लिए भेजे जा रहे हैं। रिपोर्ट के बाद ही कुछ कहा जा सकता है।

इन दवाओं के नमूने लिए

ओडोक्सील 500mg टैबलेट , बीटाडीन 10-5प्रति, ओडोक्सील

250mg टैबलेट , ऑप्टिनेयरोन इंजेक्शन

क्या है मामला

उत्तर प्रदेश के आगरा में औषधि विभाग और स्पेशल टास्क फोर्स ने बीते महीने 22 अगस्त को नकली दवा के कारोबार का भंडाफोड़ किया था. हे मां मेडिको के संचालक हिमांशु अग्रवाल ने मामले में एक करोड़ की रिश्वत देने की कोशिश की थी. वो जेल में हैं. बंसल मेडिकल एजेंसी के संजय बंसल और परिवार के दो अन्य सदस्य भी जेल में हैं.

12 राज्यों में दवाएं की जाती थीं सप्लाई

आशंका जताई जा रही है कि ये नकली दवाएं पुडुचेरी की मीनाक्षी और श्री अमान फार्मा द्वारा संचालित अवैध फैक्ट्री में बनाई थीं. फिलहाल ये दोनों फर्म बंद हैं. औषधि विभाग और एसटीएफ की जांच में पुडुचेरी की मीनाक्षी फार्मा, श्री अमान फार्मा से दवाएं ट्रेन से आने का पता चला. ये भी पता चला कि इन दवाओं की उत्तर प्रदेश के साथ ही 12 राज्यों में आगरा के दवा कारोबारियों के जरिये सप्लाई होती थी.

सात साल पहले कोर्ट मैरिज, अब एमबीबीएस छात्र पर उत्पीड़न का आरोप

» पुलिस ने हिरासत में लिया

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। पीड़ित महिला ने पनकी स्थित निजी कॉलेज में पति के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए जमकर हंगामा काटा। आरोप है कि पति का किसी और लड़की से चक्कर चल रहा है। वह दूसरी शादी की फिराक में है।कानपुर में सात साल पहले कोर्ट मैरिज करने वाली महिला ने अपने पति एमबीबीएस छात्र पर उत्पीड़न का आरोप लगा हंगामा किया। पुलिस ने छात्र को हिरासत में ले लिया।

मूलरूप से लखनऊ और वर्तमान में गाजियाबाद निवासी महिला के मुताबिक वर्ष 2014 में आजमगढ़ के मुबारकपुर निवासी युवक से उसकी मुलाकात प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी के समय दिल्ली में हुई थी।आरोप है कि युवक ने शादी का झांसा देकर प्रेमजाल में फंसा लिया और नशीली दवाएं खिलाकर दुष्कर्म किया। दबाव बनाने पर 16 अगस्त 2018 को कोर्ट मैरिज कर ली। वर्तमान में कानपुर के निजी कॉलेज में एमबीबीएस से एमबीबीएस कर रहा है। पति का किसी और लड़की से चक्कर चल रहा है। वह दूसरी शादी की फिराक में है। गुरुवार को महिला ने पनकी स्थित निजी कॉलेज में पति के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए जमकर हंगामा काटा। सूचना पर पहुंची पुलिस ने पति को हिरासत में लिया है। थाना प्रभारी मनोज भदौरिया ने बताया कि मामले की जांच कराई जा रही है।

कानपुर लॉयर्स अध्यक्ष विवाद गहराया

» एसडीएम के पास पहुंची अध्यक्ष पद तकरार

» मुख्य संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर।कानपुर लॉयर्स चुनाव में अध्यक्ष पद को लेकर विवाद अब एसडीएम तक पहुंच गया है। उप निबंधक फर्म सोसाइटी एवं चिट्स कानपुर मंडल ने कल अपने आदेश में मामले को सुनवाई के लिए एसडीएम के सुपुर्द करते हुए फैसला आने तक वरिष्ठ उपाध्यक्ष को अध्यक्ष की जिम्मेदारी निभाने को कहा है। पत्र के इसी बिंदु को लेकर लायर्स एसोसिएशन पदाधिकारी, एल्डर्स कमेटी और अध्यक्ष के समर्थक अधिवक्ताओं का कहना है कि उप निबंधक को इस तरह के आदेश देने का विधिक अधिकार ही नहीं है।

साथ ही पराजित प्रत्याशी अधिवक्ता राकेश सचान द्वारा उच्च न्यायालय में भी इसी से संबंधित दाखिल याचिका का हवाला देते हुए तर्क दिया जा रहा है कि जब मामला उच्च न्यायालय के अधीन है तो उस पर उप निबंधक कोई आदेश कैसे जारी कर सकते हैं। मीडिया में उप निबंधक का पत्र आने के बाद अध्यक्ष दिनेश चंद्र वर्मा से बात की गई तो उन्होंने ऐसा कोई पत्र प्राप्त न होने की बात कही। उन्होंने कहा कि उप निबंधक को विधिक रूप से यह अधिकार ही नहीं है और दावा किया कि हम ही अध्यक्ष पद पर हैं। वहीं राकेश सचान ने कहा कि उप निबंधक ने एसडीएम द्वारा सुनवाई पूरी करके अपना फैसला देने तक वरिष्ठ उपाध्यक्ष को अध्यक्ष पद संभालने की जिम्मेदारी दी है। मुख्य चुनाव अधिकारी राजेश यादव ने भी पत्र प्राप्त होने से इंकार किया और कहा कि उपनिबंधक को इस तरह का आदेश जारी करने का विधिक अधिकार ही नहीं है। इसलिए यदि आदेश हुआ भी है तो वह शून्य हो जाएगा।

> उपनिबंधक का पत्र हमें प्राप्त नहीं हुआ है।
> डिप्टी रजिस्ट्रार को मामले में सुनवाई का अधिकार नहीं है। उनके द्वारा दिया गया आदेश शून्य माना जाएगा।
>
> राजेश यादव एड.
> मुख्य चुनाव अधिकारी

> डिप्टी रजिस्ट्रार का कोई पत्र ना तो कार्यालय को प्राप्त हुआ है और ना ही हमें प्राप्त हुआ है। डिप्टी रजिस्ट्रार को इस संबंध में विधिक अधिकार नहीं है। हम ही अध्यक्ष हैं।
>
> दिनेश चंद्र वर्मा -अध्यक्ष

> उपनिबंधक ने सुनवाई के लिए मामला एसडीएम के पास भेजा है । एसडीएम का आदेश आने तक वरिष्ठ उपाध्यक्ष को अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी दी गई है। उपनिबंधक का आदेश डिस्पैच हो चुका है। मामले की सुनवाई अब एसडीएम करेंगे।
>
> राकेश सचान एड.-अध्यक्ष प्रत्याशी

मतगणना से अब तक का घटनाक्रम

20 अगस्त को अध्यक्ष और महामंत्री पद का चुनाव परिणाम आया दिनेश चंद्र वर्मा ने राकेश सचान को 15 वोटों से पराजित किया मतगणना के दौरान 48 वोट अवैध घोषित किए गए पराजित प्रत्याशी राकेश सचान ने एल्डर्स कमेटी के समक्ष आपत्ति प्रस्तुत की सुनवाई ना होने पर राकेश सचान पहले उत्तर प्रदेश बार काउंसिल पहुंचे और फिर मामले को डिप्टी रजिस्ट्रार फर्म सोसाइटी एवं चिट्स कानपुर मंडल के पास ले गए कल डिप्टी रजिस्ट्रार ने मामले को सुनवाई के लिए एसडीएम के पास भेज दिया एसडीएम का आदेश आने तक वरिष्ठ उपाध्यक्ष को अध्यक्ष पद संभालने की जिम्मेदारी दी अध्यक्ष दिनेश चंद्र वर्मा बोले उप निबंधक को नहीं है विधिक अधिकार उच्च न्यायालय में याचिका पर परस्पर विपरीत दावे।

अरे बाप रे , भाजपा विधायक की ऐसी ईमानदारी!

» खुले मंच से बोला- वेतन भी मिल रहा है, विधायक निधि का कमीशन भी...

» मंच से भाषण वाला वीडियो हुआ वायरल, विपक्ष ले रहा मजे

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। उत्तर प्रदेश की राजनीति में इन दिनों एक बयान ने हलचल मचा दी है। भाजपा के किदवई नगर विधायक महेश त्रिवेदी ने सार्वजनिक मंच पर जो सच उगला, उसने पार्टी के जीरो करप्शन वाले नारे की पोल खोल दी।

विधायक महोदय ने लोगों के बीच मंच से साफ कहा – लोग को तो तनख्वाह भी मिल रही है... विधायक निधि का 10 परसेंट कमीशन भी मिल रहा है... ईमानदारी की बात तो ये

वायरल वीडियो का स्क्रीन शॉट

अब इसे क्या कहें? जनता को तो ईमानदारी का झुनझुना थमा दिया गया और खुद माननीय साहब खुलेआम मान रहे हैं कि सरकारी योजनाओं और निधि से भी कमीशन की मलाई काटी जा रही है।याद रहे, यही महेश त्रिवेदी वो नेता हैं जिन्होंने कांग्रेस के दिग्गज अजय कपूर (जो अब भाजपा में हैं) को हराकर किदवई नगर सीट हथियाई थी।

और अब जनता कह रही है– भ्रष्टाचार के इस दौर में इतना सच्चा और खरा विधायक कहां मिलेगा, जो खुद ही मान ले कि कमीशनखोरी चल रही है। वहीं, एक तरफ भाजपा भ्रष्टाचार मुक्त शासन का ढोल पीटती है, दूसरी तरफ उसका

विधायक मंच से स्वीकार कर रहा है कि 'सबको हिस्सा मिल रहा है।' सवाल यही है कि जनता को आखिर क्या मिल रहा है?

जिस्मफरोशी रैकेट चलाने वाले की बहनों को उठाया

» धमकाने वाला कांस्टेबल तलब, किशोरी बोली- नहीं हुआ दुष्कर्म

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

नौबस्ता थाने में केशव के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराने वाले व्यक्ति की बेटी ने बुधवार को दर्ज बयान में कहा कि केशव ने उसे अपने प्रेमजाल में फंसा लिया। वह उससे अक्सर वीडियो कॉल पर अश्लील हरकतें करने को कहता था। उसी का वीडियो बना लिया। कानपुर में जिस्मफरोशी रैकेट चलाने वाले फतेहपुर के जहानाबाद निवासी केशव उत्तम की दोनों बहनों को पुलिस ने पूछताछ के लिए उठा लिया है। वहीं, पीड़ित परिवार को धमकी देने वाले फतेहपुर के कांस्टेबल को भी पुलिस ने तलब कर लिया है। दोनों बहनें बर्रा और गोपालनगर निवासी है। साथ ही, उसके एक करीबी दोस्त और एक महिला से भी नौबस्ता पुलिस पूछताछ कर रही है।

उसके मोबाइल नंबर की सीडीआर में दोस्त और उसके परिवार वालों से बात होने पर पुलिस उन तक पहुंच सकी है। वहीं, पुलिस उसके गोपालनगर निवासी बहनोई की भी तलाश कर रही है। वह बिजली विभाग का ठेकेदार है। वहीं, पुलिस ने पीड़ित परिवार को धमकी देने वाले फतेहपुर अमौली निवासी पुलिस कर्मी को पूछताछ के लिए बुलाया है।कांस्टेबल को पूछताछ के लिए बुलाया

डीसीपी साउथ दीपेंद्र नाथ चौधरी ने बताया कि आरोपी की गिरफ्तारी के लिए छह टीमें बनाई गईं हैं।

टीमों ने कई संभावित स्थानों पर दबिश दी है। हालांकि अभी तक आरोपी पकड़ में नहीं आया है। धमकाने वाले कांस्टेबल को पूछताछ के लिए बुलाया गया है। आरोपी की गिरफ्तारी होने से जिस्मफरोशी रैकेट के बारे में जानकारी जुटाई जाएगी।

मजिस्ट्रेटी बयान में किशोरी बोली- नहीं हुआ दुष्कर्म

दुष्कर्म कर उनके अश्लील ऑडियो और वीडियो बना ब्लैकमेल करने के आरोपी केशव उत्तम के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराने वाले व्यक्ति की बेटी ने अपने साथ दुष्कर्म होने की बात से इन्कार कर दिया है। हालांकि उसने अपने बयान में केशव पर उसके अश्लील फोटो खींचने और वीडियो बनाने के आरोप लगाए हैं।

एक रिश्तेदार से केशव की दोस्ती थी

इससे पहले किशोरी ने मेडिकल कराने से भी इन्कार कर दिया था। नौबस्ता थाने में केशव के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराने वाले व्यक्ति की बेटी ने बुधवार को दर्ज बयान में कहा कि उसके एक रिश्तेदार से केशव की दोस्ती थी। उसी के माध्यम से केशव से जान पहचान हुई। कुछ दिनों बाद केशव ने रिश्तेदार के मोबाइल से उसका नंबर निकाल कर मैसेज किया था।

पिता ने पकड़कर पीटा और मोबाइल छीन लिया

इसके बाद से उन दोनों बातचीत शुरू हो गई थी। केशव ने उसे अपने प्रेमजाल में फंसा लिया।

वह उससे अक्सर वीडियो कॉल पर अश्लील हरकतें करने को कहता था। उसी का वीडियो बना लिया। इसके बाद इसी वीडियो को वायरल करने की धमकी देकर मिलने दबाव बना रहा था। पिता ने उसे पकड़कर पीटा और मोबाइल छीन लिया, तो वह उसका रिश्तेदार धमका रहा है।

वीडियो वायरल करने की देता है धमकी

डीसीपी साउथ ने बताया कि आरोपी की तलाश में चार टीमें लगाई हैं। हंसपुरम इलाके में ही किराये पर रहने वाली किशोरी के पिता ने बताया कि आरोपी निजी अस्पताल में कैंटीन चलाने के बहाने जिस्मफरोशी रैकेट चला रहा है। वह किशोरियों और युवतियों को प्रेमजाल में फंसाकर उनके अश्लील वीडियो बना लेता है। इसके बाद उन्हें वेश्यावृत्ति के लिए मजबूर करता है। बात न मानने पर उनके वीडियो वायरल करने की धमकी देता है।

पांच लड़कियों के अश्लील वीडियो थे

उनकी बेटी को भी प्रेमजाल में फंसाने के बाद मनमानी कराना चाहता था।

इन्कार करने पर उसे धमकाया तो बेटी ने आपबीती बता दी। उन्होंने केशव को समझाया लेकिन वह नहीं माना। एक सितंबर को दबाव बनाकर बेटी को साथ ले जाने के लिए आया तो पकड़ने का प्रयास किया तभी भागने के दौरान उसका गिरा हुआ मोबाइल उन्हें मिल गया। इसमें बेटी समेत पांच लड़कियों के अश्लील वीडियो थे।

सिपाही से लेकर इंस्पेक्टर तक किसी ने मदद नहीं की

आरोप है कि जब वह शिकायत लेकर नौबस्ता थाने पहुंचे, तो वहां मौजूद पुलिस कर्मियों ने उन्हें भगा दिया। कई बार थाने गए लेकिन सिपाही से लेकर इंस्पेक्टर तक किसी ने उनकी मदद नहीं की। डीसीपी साउथ से मदद की गुहार लगाई ।

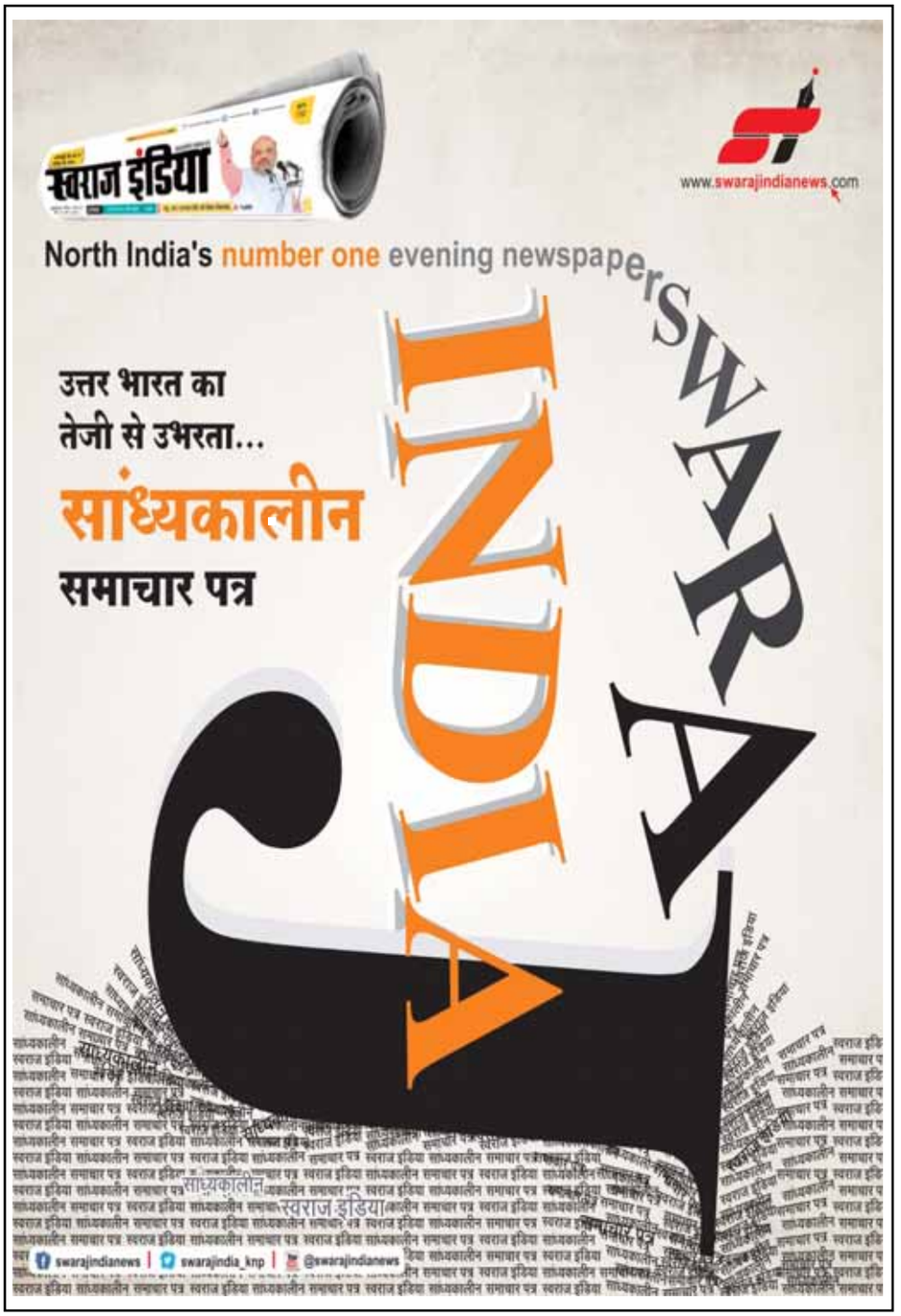

सम्पादकीय

नए उपराष्ट्रपति के सामने निष्पक्षता की परीक्षा

इसमें दो राय नहीं कि भारत के पंद्रहवें उपराष्ट्रपति के रूप में सीपी राधाकृष्णन का चुनाव विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र की संवैधानिक यात्रा में निरंतरता और परिवर्तन, दोनों का ही प्रतीक है। सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन यानी राजग के उम्मीदवार के के रूप में उन्होंने विपक्ष के साझा उम्मीदवार बी सुदर्शन रेड्डी को 152 मतों के बड़े अंतर से हराया। यह जीत राजग सरकार की विधायी शक्ति और संगठनात्मक अनुशासन को भी रेखांकित करती है। निस्संदेह, भाजपा के लिये, सीपी राधाकृष्णन का चयन एक रणनीतिक कदम ही है। तमिलनाडु के एक अनुभवी नेता, जिनकी आरएसएस में गहरी जड़ें रही हैं, ने पार्टी में महत्वपूर्ण नेतृत्वकारी भूमिकाएं भी निभाई हैं। वे पार्टी से दो बार लोकसभा के लिये सांसद चुने गए। राज्यपाल पद से उन्हें उपराष्ट्रपति पद के लिये पदोन्नत करके, एनडीए ने न केवल उनकी निष्ठा और अनुभव को पुरस्कार दिया है, बल्कि राष्ट्रीय राजनीति में एक दक्षिण भारत के चेहरे को प्रतिष्ठा देकर अपने दूरगामी इरादों को भी जाहिर कर दिया है। जिसका एक सिरा भाजपा के दक्षिण भारत में अपना प्रभाव बढ़ाने के रूप में पार्टी की एक व्यापक महत्वाकांक्षा से भी जुड़ता है। उस महत्वपूर्ण राजनीतिक क्षेत्र में जहां उसे पारंपरिक रूप से चुनावी पैठ बनाने के लिए अब भी संघर्ष करना पड़ता है। उल्लेखनीय है कि सीपी राधाकृष्णन को राजग के उपराष्ट्रपति पद के लिये उम्मीदवार बनाने के निर्णय ने सबको चौंकाया था। वहीं दूसरी ओर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यह निर्णय उनकी राजनीतिक स्मृति की विरासत को भी दर्शाता है। पार्टी के उन नेताओं का सम्मान करना, जिनकी पार्टी के कठिन वर्षों के दौरान की दृढ़ता ने आज की मजबूत भाजपा के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दिया। वहीं उनका चुना जाना विपक्ष के राजग का सशक्त विकल्प बनाने के संघर्ष को भी उजागर करता है। उप राष्ट्रपति पद के चुनाव में हार का अंतर न केवल राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की ताकत को दर्शाता है बल्कि वहीं दूसरी ओर विपक्ष की फूट और क्रॉस-वोटिंग को भी दर्शाता है।जो उसे याद दिलाता है कि प्रतीकात्मक मुकाबले एक सुसंगत रणनीति का विकल्प नहीं हो सकते। निर्विवाद रूप से उपराष्ट्रपति का पद केवल औपचारिक व्यक्ति से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है। वे सांविधानिक पद सोपान में दूसरे सबसे ऊंचे पद पर तो आसीन होते ही हैं, राज्यसभा के पदेन सभापति के रूप में उनकी जिम्मेदारियां भी महत्वपूर्ण होती हैं। राज्यसभा के पदेन सभापति के रूप में उन्हें उच्च सदन में अकसर होने वाले हंगामेदार वाद-विवादों का भी शालीनतापूर्वक निपटारा करना होगा। उम्मीद की जानी चाहिए कि उनके नेतृत्व में राज्यसभा की कार्यवाही अधिक समावेशी हो सकेगी और सदन में जन सरोकारों से जुड़ा है।

चिप इनोवेशन और मैन्युफैक्चरिंग में अग्रणी पहल

पुष्कर जैन

भारत, जो कभी सेमीकंडक्टर चिप्स के आयात पर निर्भर था, अब आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से कदम बढ़ा रहा है। हाल ही में आयोजित 'सेमिकान इंडिया 2025' सम्मेलन इस दिशा में एक मील का पत्थर साबित हुआ है।चिप्स–अर्थात? सेमीकंडक्टर–आज की तकनीकी दुनिया की रीढ़ हैं। मोबाइल फोन, ऑटोमोबाइल, 5जी नेटवर्क, स्वास्थ्य उपकरण, इलेक्ट्रॉनिक सेना उपकरण–सभी में सेमीकंडक्टर हर जगह उपयोग हो रहे हैं।

इसी को ध्यान में रखते हुए भारत सरकार ने 'इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन' की शुरुआत की, जिसका उद्देश्य देश को चिप डिजाइन, निर्माण, पैकेजिंग और परीक्षण में आत्मनिर्भर बनाना है। इस लक्ष्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देने हेतु भारत ने कई बड़े कदम उठाए हैं और कई परियोजनाएं राष्ट्रहित में अग्रसर हैं।भारत, जो कभी सेमीकंडक्टर चिप्स के आयात पर निर्भर था, अब आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से कदम बढ़ा रहा है। हाल ही में आयोजित 'सेमिकान इंडिया 2025' सम्मेलन इस दिशा में एक मील का पत्थर साबित हुआ है।सेमीकंडक्टर चिप्स आधुनिक इलेक्ट्रॉनिक्स का मूलभूत हिस्सा हैं। ये स्मार्टफोन, कंप्यूटर, ऑटोमोबाइल, चिकित्सा उपकरणों और रक्षा प्रणालियों में उपयोग होते हैं। इनकी मांग वैश्विक स्तर पर तेजी से बढ़ रही है। सेमिकान इंडिया 2025 में 48 देशों के 2,500 से अधिक प्रतिनिधियों, 350 से अधिक प्रदर्शकों, 150 से अधिक वक्ताओं और 20,750 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया, इनमें 50 वैश्विक नेताओं ने विचार साझा किए।

सम्मेलन में एक ऐतिहासिक क्षण तब आया जब प्रधानमंत्री मोदी ने भारत का प्रथम पूर्णतः स्वदेशी माइक्रोप्रोसेसर 'विक्रम 3201' का अनावरण किया। इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन के तहत चिप निर्माण के लिए 76,000 करोड़ रुपये के प्रोत्साहन की घोषणा की गई है। इसमें से 65,000 करोड़ रुपये चिप निर्माण के लिए और 10,000 करोड़ रुपये मोहाली स्थित सेमीकंडक्टर प्रयोगशाला के आधुनिकीकरण के लिए आवंटित किए गए हैं।वहीं डीप टेक भारत की पहल आईआईटी कानपुर में शुरू की गई है, जिसका उद्देश्य आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, सेमीकंडक्टर, क्वांटम टेक्नोलॉजी और बायोसाइंसेज जैसे क्षेत्रों में नवाचार को बढ़ावा देना है। वहीं दूसरी ओर, राष्ट्रीय एकल खिड़की प्रणाली के माध्यम से निवेशकों को केंद्र और राज्य सरकारों से अनुमतियां एक ही प्लेटफॉर्म पर मिलती हैं, जिससे प्रक्रिया सरल और तेज होती है।भारत में सेमीकंडक्टर डिज़ाइनिंग और निर्माण के क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं।

जन प्रतिनिधियों से विवेकपूर्ण व्यवहार की उम्मीद

राजनीति से कुछ रिश्ता

शुभम चौधरी

यह दुर्भाग्य ही है कि हमारी राजनीति में विवेक पर वैयक्तिक और दलीय स्वार्थ अक्सर हावी हो जाते हैं। जनतंत्र की सफलता और सार्थकता का तकाज़ा है कि इस स्थिति से उबरा जाये। निर्वाचित सांसदों के विवेक पर शंका करने की आवश्यकता नहीं है, आवश्यकता विवेकपूर्ण व्यवहार करने की है।सातवीं-आठवीं में पढ़ने वाला वह बच्चा टीवी पर समाचार सुनते-सुनते अचानक हंस पड़ा। समाचार तो मैं सुन रहा था, उसने अनायास ही वह समाचार सुन लिया होगा। समाचार उपराष्ट्रपति के चुनाव के बारे में था और एंकर कह रहा था, सत्तारूढ़ पक्ष और विपक्ष दोनों ने अपने-अपने सांसदों को मतदान का तौर-तरीका समझाने के लिए संसद-भवन में विशेष कार्यक्रम आयोजित किये। जब मैंने बच्चे से हंसने का कारण पूछा तो उसने बताया कि उसे हंसी इस बात पर आ रही थी कि हमारे सांसदों को वोट देना भी नहीं आता!

यह सुनकर मैं भी अनायास ही मुस्कराने लगा था। बात तो सही है, उपराष्ट्रपति पद के लिए मतदान क्या सचमुच इतनी जटिल प्रक्रिया है कि सब कुछ जानने का दावा करने वाले हमारे सांसदों को यह भी सिखाना पड़े कि वोट कैसे डाला जाता है! रहा होगा कोई ज़माना जब कुछ कम पढ़े-लिखे, या फिर अनपढ़ भी सांसद बनते हों। पर इक्कीसवीं सदी के हमारे सांसद तो ऐसे नहीं हैं। बहरहाल, मैंने उस बच्चे को बताया कि बात मतदान का तरीका सिखाने की नहीं, अपने-अपने सांसदों को एकजुट रखने की है। इस तरह के कार्यक्रम आयोजित करके राजनीतिक दल अपने समर्थकों को जोड़े रखने की कोशिशें करते हैं। यह सुनकर वह बच्चा फिर हंस पड़ा था। इस बार मैंने नहीं पूछा कि वह क्यों हंसा है। मैंने अपने आप से पूछा था, यह कैसा जनतंत्र है हमारा कि हमें अपने निर्वाचित प्रतिनिधियों को भी यह समझाना पड़ता है कि जनतंत्र में विचारधारा का भी कुछ मतलब होता है; कि राजनीति अवसर का लाभ उठाने की कला मात्र नहीं है; कि विचारधारा का भी हमारी राजनीति से कुछ रिश्ता होना चाहिए। यह दुर्भाग्य ही है कि हमारी राजनीति सत्ता हथियाने और सत्ता में बने रहने तक ही सीमित होती जा रही है। विचारों और विचारधाराओं का नाम लेकर राजनीतिक दल बनाये अवश्य जाते हैं, पर चलते वे इसी सिद्धांत पर ही हैं कि सारा खेल सत्ता का है। राजनीतिक दल भी जिस तरह नेताओं की अदला-बदली को प्रोत्साहन देते हैं, वह भी अपने आप में हास्यास्पद ही नहीं, शर्मनाक भी है। हमारे राजनेता, चाहे व किसी भी रंग के झण्डे वाले हों, किसी मूल्य या आदर्श के आधार पर राजनीति करने में विश्वास नहीं करते। कहते वे भले ही कुछ भी रहें, करते वे घटिया राजनीति ही हैं—इस घटिया राजनीति में नीतियों-सिद्धांतों और अंतरात्मा की आवाज़ का कोई मतलब नहीं होता। मतलब होता है तो सिर्फ इस बात का कि राजनीति के इस खेल में मुझे कितना और कैसा लाभ मिल सकता है।अंतरात्मा की बात से याद आया उपराष्ट्रपति पद के लिए होने वाले इस चुनाव में भी कम से कम एक प्रत्याशी ने सांसदों से अपील की थी कि वे राजनीतिक सौदेबाजी के आधार पर नहीं, अपनी अंतरात्मा की आवाज़ सुनकर मतदान करें। कहने को तो सब ऐसा ही करने की बात कह सकते हैं, पर हकीकत तो यही है कि हमारी राजनीति में अंतरात्मा की आवाज़ जैसी कोई बात बची नहीं है।

जागरूकता का प्रयास

लैबअप प्रक्रिया से रचा इतिहास

के केयर हॉस्पिटल में हुआ विशाल स्वास्थ्य जांच शिविर

» स्वराज इंडिया संवाददाता

कानपुर। जेसीआई कानपुर इंडस्ट्रियल एवं के केयर हॉस्पिटल के संयुक्त तत्वावधान में जेसी वीक 2025 संकल्पः एक बेहतर कल के लिए के अंतर्गत बड़ा चौराहा स्थित के केयर हॉस्पिटल में एक विशाल निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर लगभग 1000 से अधिक लोगों ने निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण कराए, जिनमें ब्लड प्रेशर, शुगर, लिपिड प्रोफ़ाइल, ईसीजी और बीएमआई जैसी जांचें शामिल रहीं।

शिविर का उद्देश्य समाज के ज़रूरतमंद लोगों तक स्वास्थ्य सेवाएँ पहुँचाना और उन्हें बीमारी से बचाव एवं समय पर उपचार के महत्व के प्रति जागरूक करना रहा। इस दौरान विशेषज्ञ चिकित्सकों ने न केवल जांच की बल्कि लोगों को नियमित स्वास्थ्य परीक्षण, संतुलित आहार और जीवनशैली सुधार के बारे में भी परामर्श दिया।

संस्था के सदस्य विकास झाझरिया, प्रणीत अग्रवाल, नीतीश शुक्ला, विकास अग्रहरि, कृतिका अग्रहरि, सुरुचि अग्रवाल, पूजा मेहरोत्रा, आंचल गोयंका, पुरुषोत्तम बंसल सहित अस्पताल की टीम सक्रिय रूप से मौजूद रही। अस्पताल संचालक विकास अग्रहरि ने पूरी टीम को सफल आयोजन के लिए धन्यवाद दिया और कहा कि इस तरह की पहल से मरीजों को समय पर सुविधाएं उपलब्ध कराने में मदद मिलती है।इसी बीच के केयर हॉस्पिटल ने एक और ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। यहां पहली बार लेफ्ट बंडल ब्रांच एरिया पेसिंग (लैबअप) की प्रक्रिया सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई। यह तकनीक कार्डियक पेसिंग में क्रांतिकारी बदलाव मानी जा रही है। अस्पताल के हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. अमित कुमार ने बताया कि कानपुर का यह पहला सफल केस न केवल शहर बल्कि पूरे बुंदेलखंड और आसपास के क्षेत्रों के लिए अत्याधुनिक हृदय उपचार की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगा।लैबअप तकनीक से हृदय की विद्युत प्रणाली को सीधे प्राकृतिक कंडक्शन पथ से उत्तेजित किया जाता है, जिससे धड़कन अधिक स्वाभाविक और तालबद्ध हो जाती है। इससे हृदय की पंपिंग क्षमता में सुधार, हार्ट फेलियर के जोखिम में कमी और दीर्घकालीन लाभ मिलते हैं।इस तरह, के केयर हॉस्पिटल ने एक ओर जहां हजारों लोगों को नि:शुल्क स्वास्थ्य सेवाओं से लाभान्वित किया, वहीं दूसरी ओर उन्नत चिकित्सा तकनीक के क्षेत्र में नई उपलब्धि दर्ज कर कानपुर को गौरवान्वित किया।

दुश्वारियां: कीड़ों के साथ मच्छरों का प्रकोप, बाढ़ के बीच बढ़े बुखार के मरीज

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। कानपुर में ख्योरा कटरी, बिठूर कटरी और शहरी क्षेत्रों के 22 से अधिक गांवों में बाढ़ का कहर जारी है। हालांकि कुछ गांवों में पानी थोड़ा घटा है, लेकिन बाढ़ पीड़ितों को अभी भी बुखार और अन्य बीमारियों से जूझना पड़ रहा है। कानपुर में बाढ़ से जूझ रहे ख्योरा कटरी, बिठूर कटरी व शहरी क्षेत्र के 22 से अधिक गांवों के लोगों को बृहस्पतिवार को भी राहत नहीं मिली। हालांकि बाढ़ जूझ रहे भोपालपुरवा और भगवानदीनपुरवा के अलावा अन्य गांवों से करीब दो इंच पानी घटा है, लेकिन मुसीबतें बरकरार हैं। बाढ़ के साथ मच्छरों और जल कीटों के काटने से ग्रामीण बुखार और अन्य बीमारियों की चपेट में आ रहे हैं।

इसके चलते स्वास्थ्य शिविरों में भीड़ उमड़ रही है। अधिकतर ग्रामीण बुखार से पीड़ित हैं। बृहस्पतिवार को सीएमओ हरिदत्त नेमी ने इन शिविरों में पहुंचकर कई ग्रामीणों को दवाइयां दीं। प्रशासन और समाजसेवियों ने गंगा बैराज पर आसरा लिए करीब पांच हजार लोगों को भोजन बांटा। प्रशासन ने बाढ़ पीड़ितों के शरणस्थल पर करीब छह किलोमीटर तक प्रकाश की व्यवस्था कराई है।

जन प्रतिनिधियों ने राहत सामग्री वितरित की

भाजपा विधायक अभिजीत सिंह सांगा ने भोजन तो सपा के पूर्व विधायक मुनींद्र शुक्ला ने राहत सामग्री वितरित की। हरिद्वार और गर्रा नदी से कम पानी आने के कारण बृहस्पतिवार देर शाम गंगा का जलस्तर दो सेंटीमीटर कम हुआ। शाम को गंगा बैराज की अपस्ट्रीम में जलस्तर 114.98 मीटर पर पहुंच गया। बैराज के आगे डाउन स्ट्रीम में यह 114.48 मीटर रहा।

जलस्तर एक सेंटीमीटर घटकर 113.22 मीटर रहा

नरौरा से शाम को 86,603 क्यूसेक और हरिद्वार से 60,495 क्यूसेक पानी आया। शाम को बैराज से 4,48,609 क्यूसेक पानी निकाला गया। इसके चलते शुक्लागंज में गंगा का जलस्तर एक सेंटीमीटर घटकर 113.22 मीटर पर रहा। यहां चेतावनी बिंदु 113 मीटर पर है।

इन गांवों में कमर तक भरा पानी

ख्योरा कटरी के दुर्गापुरवा, गिल्लीपुरवा, बनियापुरवा, भोपालपुरवा, भगवानदीनपुरवा, मक्कापुरवा, लक्ष्मनपुरवा और बिठूर कटरी के परपिया, तिसजा, चिरान, ईश्वरीगंज, नया डल्लापुरवा, पुराना डल्लापुरवा, हृदयपुर, प्रतापपुर हरी में कई जगह कमर तक पानी भरा हुआ है। शहरी क्षेत्र के बड़ा रामपुर, कांशीराम नगर, चैनपुरवा, धारमखेड़ा, दिवनीपुरवा, मनीपुरवा, सरजूपुरवा, तिवारी घाट और मंत्रीपुरवा में भी जलभराव बना हुआ है।

एटीवीएम बंद देख भड़कीं डीआरएम, बोलीं-तुरंत चालू कराओ

» बिल्हौर स्टेशन गेट पर गंदगी देख लगाई फटकार

» अफसरों को दिए रोज़ाना साफ सफाई के निर्देश

» कानपुर से निरीक्षण करते हुए बिल्हौर पहुँचीं डीआरएम

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

बिल्हौर (कानपुर)। शुक्रवार को इज्जत नगर मंडल की डीआरएम वीणा सिन्हा कानपुर से फर्रुखाबाद रूट पर स्टेशनों का निरीक्षण करती हुई बिल्हौर रेलवे स्टेशन पर रुकीं और यहाँ का बारीकी से निरीक्षण किया। जैसे ही उनकी स्पेशल ट्रेन सुबह 10 बजे बिल्हौर पहुँची, स्टेशन परिसर से लेकर मुख्य द्वार तक अफसरों में खलबली मच गई।डीआरएम सीधे सहायक स्टेशन मास्टर के दफ़्तर पहुँचीं और वहाँ की व्यवस्था देखी। इसके बाद उन्होंने टिकट खिड़की, प्रतीक्षालय, प्लेटफार्म और मुख्य द्वार से जीटी रोड़ तक की स्थिति परखी।

स्टेशन गेट पर गंदगी देख डीआरएम भड़क उठीं और अधिकारियों को सख़्त निर्देश दिए कि रोज़ाना सफाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि यात्रियों को किसी भी हाल में गंदगी नहीं दिखनी चाहिए। डीआरएम के सख्त तेवर देख अफसरों के पसीनें छूट गए।

एटीवीएम बंद मिलने पर नाराज़गी

निरीक्षण के दौरान टिकट खिड़की पर लगी ऑटोमेटिक टिकट वेंडिंग मशीन (ञ्जङ्करू) बंद मिली। यह देख डीआरएम ने एरिया अफसर को फटकार लगाई और कहा कि इस मशीन को तुरंत चालू कराओ, और उसका वीडियो बनाकर मुझे भेजो ताकि यह सुनिश्चित हो कि यात्रियों को टिकट लेने में परेशानी न हो। करीब एक घंटे तक डीआरएम स्टेशन पर रुककर हर विभाग की बारीकियों का जायज़ा लेती रहीं। इस दौरान डिवीजनल इंजीनियर फर्स्ट भरत भूषण, आरपीएफ असिस्टेंट कमांडेंट मोहम्मद शारिक खान, एरिया अफसर, रेलवे के कई अधिकारी और खुफ़िया विभाग मौजूद रहे।

भनक लगते ही अफसरों में मचा हड़कंप

डीआरएम के निरीक्षण की भनक लगते ही देर रात से ही स्टेशन पर सफाई अभियान शुरू हो गया था। सुबह तक गड्ढों को भरा गया, दीवारों की धूल झाड़ी गई और प्लेटफार्म चमका दिए गए। बावजूद इसके डीआरएम की नज़र से खामियां नहीं बच पाईं।

एयरपोर्ट की तर्ज पर विकसित हो रहा कानपुर सेंट्रल

» सेंट्रल स्टेशन पर रेलवे डीआरएम ने किया निरीक्षण

स्वराज इंडिया संवाददाता

कानपुर। उत्तर मध्य रेलवे प्रयागराज मंडल के डीआरएम रजनीश अग्रवाल शुक्रवार को कानपुर सेंट्रल स्टेशन पहुंचे और अमृत भारत योजना के तहत चल रहे विकास कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने ट्रैक व आउटर का जायजा लेकर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए डीआरएम ने बताया कि सेंट्रल स्टेशन को एयरपोर्ट की तर्ज पर विकसित किया जा रहा है। सिटी साइड पर मल्टी-स्टोरी बिल्डिंग में मॉल, दुकानें और मल्टी-लेवल पार्किंग जैसी सुविधाएं होंगी। यात्रियों के लिए कॉनकोर्स निर्माण भी तेजी से चल रहा है, जहां वे ट्रेन का इंतजार करेंगे और ट्रेन आने से 10 मिनट पहले ही प्लेटफार्म पर प्रवेश पा सकेंगे।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने प्लेटफार्म नंबर 1, 2, 3 और 10 का भी अवलोकन किया। इस मौके पर स्टेशन मास्टर, आरपीएफ इंस्पेक्टर सिद्धनाथ पाटीदार समेत कई अधिकारी मौजूद रहे।

कानपुर देहात में कच्चा मकान ढहा, मलबे में दबकर मां-बेटी की मौत

» बरसात से जर्जर मकान बना हादसे का कारण

» गांव में मातम, प्रशासन ने दिलाने का आश्वासन दिया राहत

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। रूरा थाना क्षेत्र के सिमरामऊ गांव में शुक्रवार को दर्दनाक हादसा हो गया। बरसात के चलते जर्जर कच्चे मकान की छत अचानक ढहने से मां-बेटी मलबे में दब गईं। ग्रामीणों ने किसी तरह उन्हें बाहर निकाला और अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया।

मृतक मां-बेटी की फाइल फोटो

जानकारी के अनुसार, किसान धर्मेंद्र की पत्नी उर्मिला (50) और बेटी निशू (22) कमरे में लिपाई कर रही थीं। तभी अचानक मकान की छत गिर गई और दोनों दब गईं। शोर सुनकर गांव के लोग मौके पर पहुंचे और बुलडोजर की मदद से मलबा हटाकर मां-बेटी को निकाला। आनन-फानन में उन्हें मेडिकल कॉलेज ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

मां-बेटी की मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। गांव में मातम छा गया। थाना प्रभारी अमित शुक्ला ने बताया कि हादसे की जांच की जा रही है। जिला प्रशासन को घटना की जानकारी दे दी गई है और पीड़ित परिवार को सरकारी राहत राशि दिलाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।गांववालों ने कहा कि लगातार हो रही बारिश से कई मकान जर्जर हो चुके हैं और प्रशासन को ऐसे मकानों की जांच कर संभावित हादसों से बचाव करना चाहिए।

नीलामी से तय होगा तहसील की कैंटीन और दुकानों का संचालन

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर देहात। तहसील भोगनीपुर परिसर में कैंटीन, साइकिल स्टैंड और दो दुकानों के संचालन के लिए प्रशासन ने नीलामी की तैयारी शुरू कर दी है।

उप जिलाधिकारी देवेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए यह नीलामी 24 सितंबर को आयोजित की जाएगी।

इस दौरान इच्छुक बोलीदाता तहसील सभागार कक्ष में उपस्थित होकर नीलामी प्रक्रिया में हिस्सा ले सकेंगे।

» सितंबर को होगी सार्वजनिक नीलामी, बोलीदाता कर सकेंगे भागीदारी

» 5000 रुपये जमानत राशि जमा कर लेना होगा हिस्सा

नीलामी सुबह 11 बजे तहसीलदार प्रिया सिंह की अध्यक्षता में होगी। बोली में भाग लेने वालों को पहले 5000 जमानत राशि जमा करनी होगी। सफल बोलीदाता को कैंटीन, साइकिल स्टैंड और दुकानों का संचालन प्रशासन द्वारा निर्धारित शर्तों के अनुसार करना होगा।

अधिकारियों का कहना है कि इस नीलामी का मकसद तहसील परिसर में अधिवक्ताओं, कर्मचारियों और वादकारियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना है। कैंटीन से खाद्य सामग्री, साइकिल स्टैंड से पार्किंग और दुकानों से जरूरी सामान आसानी से मिल सकेगा।

उपजिलाधिकारी देवेंद्र सिंह
भोगनीपुर-तहसील

नीलामी प्रक्रिया को पारदर्शी और निष्पक्ष बनाए रखने के लिए अधिकारियों और कर्मचारियों की टीम मौके पर मौजूद रहेगी। प्रशासन का मानना है कि इससे न केवल तहसील परिसर की सुविधाएं बेहतर होंगी बल्कि राजस्व में भी बढ़ोतरी होगी।

ग्रामीणों और वादकारियों ने उम्मीद जताई है कि नीलामी के बाद नई व्यवस्था से सुविधा बढ़ेगी और अव्यवस्था पर रोक लगेगी।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। संपादकः अनूप कुमार **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 l **Email:** swarajindia2023@gmail.com l **Mob:** 7800009853, l **Website:** www.swarajindianews.com l (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

कानपुर देहात- वैना तिराहा बम्बा में मिला अज्ञात युवक का शव

» 36 घंटे बाद पानी से बाहर निकला शव, शिनाख्त में जुटी पुलिस

» पुलिया पर दिखे युवक की गुमशुदगी से जोड़ा जा रहा मामला

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। थाना राजपुर क्षेत्र के वैना तिराहा बम्बा में शुक्रवार सुबह एक अज्ञात युवक का शव उतराता मिला। राहगीरों की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को बाहर निकलवाया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। फिलहाल मृतक की पहचान नहीं हो सकी है।जानकारी के अनुसार, सुबह लगभग 10 बजे राहगीरों ने बम्बा में एक शव उतराता देखा और पुलिस को सूचित किया। थाना प्रभारी महेश कुमार मय पुलिस बल मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों की मदद से शव को बाहर निकाला गया।

शव पानी में लंबे समय तक रहने के कारण फूल चुका था और बदबू आ रही थी। मृतक की उम्र लगभग 25 वर्ष बताई जा रही है। उसने काले रंग की शर्ट और जींस पैंट पहन रखी थी।पुलिस के प्रयासों के बावजूद शव की शिनाख्त नहीं हो सकी। मृतक को पोस्टमार्टम हेतु अकबरपुर भेज दिया गया है। थाना प्रभारी महेश कुमार ने बताया कि क्षेत्र से आए लोगों से पहचान कराई गई, लेकिन सफलता नहीं मिली।गौरतलब है कि बुधवार शाम करीब 4 बजे भाल पुलिया डिग्री कॉलेज के पास एक नशे में धुत युवक को काले रंग की चप्पल पहने बम्बा की पक्की पटरी पर लेटे देखा गया था। अचानक वह बम्बा में गिर गया और लापता हो गया। काफी खोजबीन के बावजूद उसका कोई पता नहीं चला था। आज लगभग 36 घंटे बाद मात्र 200 मीटर की दूरी पर अज्ञात शव मिलने से यह आशंका प्रबल हो गई है कि दोनों घटनाएं एक ही युवक से संबंधित हैं।पुलिस अब शव की शिनाख्त और घटना की तह तक पहुंचने के लिए जांच तेज कर रही है।

रमईपुर में कचरे से कमाई, गांव में बढ़ी सफाई

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। कानपुर नगर की विधनू ब्लॉक की रमईपुर ग्राम पंचायत अब सिर्फ स्वच्छता के लिए ही नहीं बल्कि आत्मनिर्भरता का भी उदाहरण बन चुकी है। यहां एक ऐसा मॉडल तैयार हुआ है, जहां कूड़े-कचरे को न केवल ठिकाने लगाया जा रहा है, बल्कि उसे आय के साधन में बदल दिया गया है।

सोमवार को जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने रमईपुर में प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट यूनिट एवं आरआरसी सेंटर का निरीक्षण किया। जिलाधिकारी ने बताया कि गांव में स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) फेज-2 योजना के

अंतर्गत प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट यूनिट और रिसोर्स रिकवरी सेंटर स्थापित किए गए हैं। यह दोनों केंद्र अब ग्राम पंचायत के लिए वरदान साबित हो रहे हैं।

प्लास्टिक से पंचायत को 6,000 रुपए की आमदनी

डीपीआरओ मनोज कुमार ने डीएम को बताया कि ग्राम पंचायत द्वारा 16 लाख रुपये की लागत से यूनिट का निर्माण और मशीनें खरीदी गईं।

पिछले कुछ महीनों में ही यूनिट पर 9.5 टन प्लास्टिक अपशिष्ट एकत्र कर बैलिंग और श्रेडिंग की प्रक्रिया से गुजारा गया। ग्राम पंचायत ने नेचर नेक्स्ट फाउंडेशन और स्थानीय कबाड़ियों से समझौता किया है जिससे प्लास्टिक की बिक्री हो सके। अब तक केवल प्लास्टिक से 6,000 रुपये की आमदनी पंचायत को हो चुकी है।

साथ ही कचरे से तैयार वर्मी कम्पोस्ट ने भी आय का नया रास्ता दिखाया है। लगभग 2,000 किलो वर्मी कम्पोस्ट बेचकर पंचायत ने 25,000 रुपये से अधिक अर्जित किए हैं। उन्होंने बताया कि करीब 425 घरों से नियमित कूड़ा उठान की व्यवस्था की गई है। ग्रामीण गाड़ियों में कचरा डालते हैं, जिसे सीधे आरआरसी सेंटर ले जाया जाता है। खास बात यह है कि लगभग 350 ग्रामीण परिवार स्वेच्छा से 30 रुपये का मासिक यूजर चार्ज भी जमा कर रहे हैं। इससे पंचायत के ओएसआर खाते में डेढ़ लाख से अधिक राशि संरक्षित हुई है।

दर्शन

श्रीरामलला के दरबार में

मॉरीशस के प्रधानमंत्री रामगुलाम

» एयरपोर्ट पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उनका रेड कार्पेट बिछाकर स्वागत किया

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। प्रभु श्रीराम की नगरी अयोध्या आज एक विशेष अवसर की साक्षी बनी, जब मॉरीशस के प्रधानमंत्री डॉ. नवीन चंद्र रामगुलाम अपनी पत्नी वीना रामगुलाम और प्रतिनिधिमंडल के साथ पहुंचे। एयरपोर्ट पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उनका रेड कार्पेट बिछाकर औपचारिक स्वागत किया।

प्रधानमंत्री रामगुलाम भारी सुरक्षा घेरे के बीच सीधे श्रीराम जन्मभूमि मंदिर पहुंचे, जहां उन्होंने पत्नी संग रामलला की आरती उतारी और मंदिर निर्माण कार्यों का अवलोकन किया। इस दौरान उनके मुख से कई बार जय श्रीराम के उद्घोष गूंजे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस दौरे को भारत और मॉरीशस के बीच सांस्कृतिक एकता का प्रतीक बताया। वहीं प्रधानमंत्री रामगुलाम ने अयोध्या की पवित्र धरती पर आकर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए भगवान राम के प्रति अपनी गहरी आस्था प्रकट की। मंदिर परिसर में उनके लिए विशेष फिल्म प्रस्तुति और सम्मान समारोह आयोजित हुआ। पूरे शहर में ढोल-नगाड़ों, शंखनाद और सुरक्षा इंतजामों के बीच यह दौरा ऐतिहासिक बन गया।

सीएम योगी के पहुंचने से पहले ही पसीना-पसीना एडीए प्रशासन

» गुप्तारघाट में वाहनों से हो रही जबरिया वसूली पर पेश की सफाई

एडीए सचिव ने कहा कि मीडिया में छपी खबरे निराधार

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या।स्वराज इंडिया की प्रमुखता से प्रकाशित रिपोर्ट ने गुप्तारघाट की पार्किंग वसूली पर प्रशासन की नींद उड़ा दी। मुख्यमंत्री के अयोध्या दौरे से महज़ 24 घंटे पहले ही अयोध्या विकास प्राधिकरण को सफाई जारी करनी पड़ी।एडीए सचिव ने बयान जारी कर कहा कि गुप्तहरि गार्डन एवं पार्किंग का संचालन मै0 कवच द्वारा किया जा रहा है, जिसमें दोपहिया के लिए 20 रुपये और चारपहिया के लिए 40 रुपये चार घंटे तक का शुल्क तय है। यह शुल्क केवल पार्किंग के भीतर खड़ी गाड़ियों से ही लिया जाता है।

स्वराज इंडिया अयोध्या 12

अयोध्या का गुप्तार घाट बना कमाई का अड्डा

स्वराज इंडिया खबर का असर

गणेश विसर्जन के दौरान ट्रैफिक व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रशासन द्वारा बैरिकेडिंग की गई थी। वहीं, मीडिया में प्रसारित खबरें कि सड़क पर खड़ी गाड़ियों से भी शुल्क वसूला गया एडीए ने इन्हें निराधार बताया। लेकिन बड़ा सवाल यही है कि अगर सब कुछ नियमसम्मत था तो सफाई देने की इतनी हड़बड़ी क्यों? साफ है कि स्वराज इंडिया की रिपोर्ट ने असर दिखाया और प्राधिकरण को जवाब देने पर मजबूर कर दिया।

महिला राज्य मंत्रियों की नाराज़गी के बाद दो थानेदार हटाए गए

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

झांसी में कोतवाल आनंद सिंह और अकबरपुर कानपुर देहात इंस्पेक्टर सतीश कुमार सिंह का किया गया तबादला

झांसी/कानपुर देहात। उत्तर प्रदेश में सत्ताधारी दल के विधायक और मंत्री जिस तरह पुलिस-प्रशासन की मनमानी से जूझ रहे हैं, उसने राजनीतिक हलकों में गहरी बहस छेड़ दी है। झांसी में कैबिनेट मंत्री बेबी रानी मौर्य और कानपुर देहात में राज्यमंत्री प्रतिभा शुक्ला दोनों ही अफसरशाही के रवैये से आहत होकर खुलकर नाराज़गी जाहिर कर चुकी हैं। नतीजा यह हुआ कि दोनों मामलों में संबंधित थानेदारों को हटा दिया गया है।

» दोनों प्रकरणों से योगी सरकार की छवि पर काफी सवाल खड़े हो रहे थे

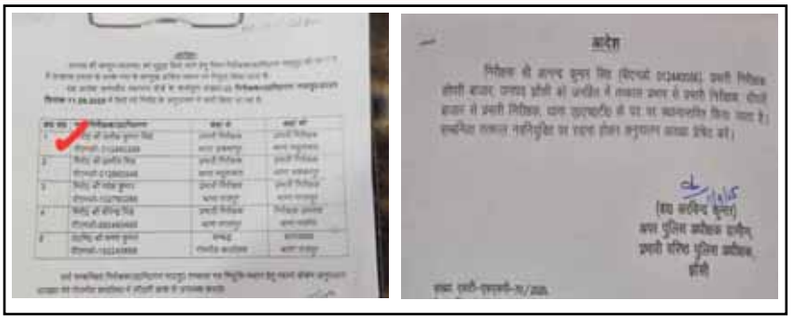

झांसी में मामला तब बिगड़ा जब पारीछा से भाजपा विधायक राजीव सिंह ने सीपरी थाना प्रभारी आनंद सिंह पर व्यक्तिगत रंजिश और अभद्रता का आरोप लगाया। मंत्री बेबी रानी मौर्य ने खुद इस मामले में हस्तक्षेप किया, मगर कैबिनेट मंत्री के सामने भी थानेदार का व्यवहार अमर्यादित रहा। इसके बाद मंत्री ने डीजीपी और प्रमुख सचिव गृह को पत्र लिखकर कड़ी कार्रवाई की मांग की।

दबाव बढ़ने के बाद थानेदार आनंद सिंह को हटा दिया गया।इसी तरह कानपुर देहात में बीते दिनों भाजपा समर्थक पर दर्ज एससी/एसटी एक्ट के मुकदमे के विरोध में राज्यमंत्री प्रतिभा शुक्ला और उनके पति, पूर्व सांसद अनिल शुक्ला वारसी को अकबरपुर थाने के गेट पर धरना तक देना पड़ा। अंततः मंत्री की नाराज़गी और दबाव के बाद पुलिस अधीक्षक श्रद्धा नरेंद्र पांडेय ने अकबरपुर थानाध्यक्ष सतीश कुमार सिंह का तबादला कर दिया है

और जिले में कई थानों के प्रभारी बदल दिए।राजनीतिक जानकारों का मानना है कि यह घटनाक्रम प्रदेश में अफसरशाही बनाम जनप्रतिनिधि के बीच खींचतान की ताज़ा मिसाल है।

भाजपा के ही विधायक और मंत्री अगर थानों और अफसरों से अभद्रता झेल रहे हैं और कार्रवाई के लिए धरना-प्रदर्शन या पत्राचार करना पड़ रहा है, तो यह आम जनता की स्थिति का अंदाज़ा लगाने के लिए काफी है।

52 साल की महिला अपने से 17 साल छोटे प्रेमी संग फुर्र

» 9 बच्चों की मां ने कोर्ट में जताई साथ रहने की इच्छा

» उम्र का यह फासला गांव-समाज में तरह-तरह की चर्चाओं को जन्म दे रहा है

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बदायूं। जिले में एक अनोखा प्रेम प्रसंग चर्चा का विषय बना हुआ है। यहां 52 वर्षीय महिला अपने से 17 साल छोटे प्रेमी के साथ घर छोड़कर चली गई। खास बात यह है कि महिला 9 बच्चों की मां है और उसकी शादी को 32 साल हो चुके हैं।

जानकारी के मुताबिक महिला की शादी तीन दशक से अधिक पहले हुई थी। अब वह एक युवक के संपर्क में आई, जो उससे 17 साल छोटा है। उम्र का यह फासला गांव-समाज में तरह-तरह की चर्चाओं को जन्म दे रहा है। लोग यह भी कह रहे हैं कि जब महिला की शादी हुई थी, उस समय उसका प्रेमी महज 3 साल का रहा होगा।

परिवार की शिकायत पर पुलिस ने दोनों को बरामद कर कोर्ट में पेश किया। वहां महिला ने साफ कहा कि वह अपनी मर्जी से युवक के साथ रहना चाहती है। महिला के इस बयान के बाद कोर्ट ने कानूनन उसकी इच्छा का सम्मान किया और दोनों को साथ भेज दिया।

गांव-समाज में यह मामला अलग तरह से देखा जा रहा है। एक तरफ लोग इसे परंपराओं और सामाजिक रिश्तों से जुड़ा 'विवादित प्रेम प्रसंग' मान रहे हैं, तो दूसरी ओर महिला के आत्मनिर्णय के अधिकार पर भी चर्चा हो रही है।

9 बच्चों की मां प्रेमिका महिला

कानून के नजरिये से देखें तो बालिग महिला को अपने जीवन का फैसला करने का पूरा अधिकार है। कोर्ट ने इसी आधार पर दोनों को साथ रहने की अनुमति दी। लेकिन ग्रामीण समाज में यह रिश्ता अब भी स्वीकार्य नहीं माना जा रहा।

परिवार की स्थिति हो रही असहज

महिला के 9 बच्चे हैं, जिनमें से कई बड़े होकर अपने-अपने परिवार बसा चुके हैं। बच्चों और परिजनों ने मां के इस फैसले पर नाराजगी जताई है। घर-परिवार के लोग इसे सामाजिक मर्यादाओं के खिलाफ बता रहे हैं।

यह घटना एक बार फिर इस सवाल को खड़ा करती है कि क्या उम्र का अंतर प्रेम में मायने रखता है या नहीं? भारतीय समाज में अब भी बड़े उम्र के फर्क वाले रिश्तों को संदेह और आलोचना की नजर से देखा जाता है। वहीं, दूसरी ओर अदालतें और आधुनिक सोच व्यक्ति की स्वतंत्रता और पसंद को महत्व देती हैं।

पशुपतिनाथ से लौट रही भारतीय पर्यटक बस पर हमला

» तोड़फोड़ और लूटपाट की गई; अब तक क्या-क्या हुआ?

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

काठमांडो। नेपाल में सोशल मीडिया बैन के खिलाफ चल रहे जेन जी के प्रदर्शन का सामना भारतीय पर्यटकों को भी करना पड़ा। आंध्र प्रदेश के श्रद्धालु पशुपतिनाथ मंदिर के दर्शन करने काठमांडू गए थे। श्रद्धालु यूपी नंबर से पंजीकृत बस में सवार थे। बस ड्राइवर राज ने बताया कि जब बस भारत की ओर वापस लौट रही थी तो भीड़ ने हमला कर दिया।नेपाल में भारतीय पर्यटकों की बस पर हमला किया गया। हमलावरों ने बस के शीशे तोड़ दिए। साथ ही यात्रियों से लूटपाट की। पर्यटक पशुपतिनाथ मंदिर के दर्शन करके लौट रहे थे। हमले में कई पर्यटक घायल भी हुए हैं। सभी पर्यटक आंध्र प्रदेश से थे।

नेपाल में सोशल मीडिया बैन के खिलाफ चल रहे जेन जी के प्रदर्शन का सामना भारतीय पर्यटकों को भी करना पड़ा। आंध्र प्रदेश के श्रद्धालु पशुपतिनाथ मंदिर के दर्शन करने काठमांडू गए थे।

श्रद्धालु यूपी नंबर से पंजीकृत बस में सवार थे। बस ड्राइवर राज ने बताया कि जब बस भारत की ओर वापस लौट रही थी तो भीड़ ने हमला कर दिया।

बस के एक कर्मचारी ने बताया कि हमलावरों ने पत्थरों से बस के सारे शीशे तोड़ दिए और सामान लूट लिया। बस क्षतिग्रस्त हालत में गुरुवार शाम को उत्तर प्रदेश में महाराजगंज के पास सोनौली बॉर्डर पर पहुंची। हमले में सात से आठ यात्री घायल हो गए। नेपाली सेना के जवान मदद के लिए आए। घायल यात्रियों का इलाज कराया जा रहा है। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने बुधवार को कहा कि दंगा प्रभावित देश में लगभग 200 तेलुगु लोग फंसे हुए हैं।

नेपाल में क्या हुआ

नेपाल में सैकड़ों आंदोलनकारी भ्रष्टाचार और सोशल मीडिया पर प्रतिबंध के खिलाफ सोमवार को सड़कों पर उतर आए थे। इस दौरान विरोध प्रदर्शनों के दौरान पुलिस कार्रवाई में कम से कम 19 लोगों की मौत के बाद प्रदर्शकारी इस्तीफे की मांग करते हुए उनके कार्यालय में घुस गए। इस बीच सोशल मीडिया पर प्रतिबंध भी सोमवार रात हटा लिया गया। मंगलवार को प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने इस्तीफा दे दिया। वहीं सेना ने कर्फ्यू लगा दिया। वहीं सरकार विरोधी प्रदर्शनों में मरने वालों की संख्या बढ़कर 34 हो गई है। स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, घायलों को संख्या 1,300 से अधिक है।

अब तक क्या-क्या हुआ?

राष्ट्रपति के करीबी सूत्रों के मुताबिक, राष्ट्रपति वर्तमान राजनीतिक गतिरोध से निपटने के लिए अलग-अलग राजनीतिक नेताओं और संवैधानिक विशेषज्ञों के साथ विचार-विमर्श कर रहे हैं।

नई सरकार बनाने के लिए दो विकल्पों पर विचार किया गया- संसद को भंग करना या उसे बरकरार रखना। हालांकि, आंदोलनकारी समूह संवैधानिक ढांचे के भीतर समाधान खोजने पर सहमत हो गया है।

इस बीच लोगों को दैनिक जीवन के लिए रात के कर्फ्यू में सुबह 7 बजे से 11 बजे तक चार घंटे की ढील दी गई है। पूरे देश में सुबह 11 बजे से शाम 5 बजे तक प्रतिबंधात्मक आदेश लागू रहेंगे, जिसके बाद अगले दिन शाम 7 बजे से सुबह 6 बजे तक कर्फ्यू फिर से शुरू होने से पहले दो घंटे का समय होगा।

भारत की सीमा पर सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) ने अब तक अंजिला खातून नामक एक महिला सहित 67 कैदियों को पकड़ा है। वे हिमालयी राष्ट्र में चल रही अशांति के बीच नेपाल की जेलों से भागने के बाद भारत-नेपाल सीमा पर विभिन्न चौकियों के माध्यम से भारत में प्रवेश करने का प्रयास कर रहे थे।